ये अव्यक्त इशारे

"निश्चय के फाउण्डेशन को मजबूत कर सदा निर्भय और निश्चिंत रहो"

24-03-2026

साकार में अगर कोई निमित्त श्रेष्ठ आत्मा साथ में होती है तो उनसे कोइे भी बात वेरीफाय कराए फिर करेंगे तो निश्चय बुद्धि होकर करेंगे। निर्भयता और निश्चय दोनों गुणों को सामने रख करेंगे तो जहाँ सदा निश्चय और निर्भयता है वहाँ सदैव श्रेष्ठ संकल्प की विजय है। जो भी संकल्प करते हो, अगर सदा निराकार और साकार साथ वा सम्मुख है तो वेरीफाय कराने के बाद निश्चय और निर्भयता से करो, इससे समय भी वेस्ट नहीं जायेगा।

Make your foundation of faith strong and remain constantly fearless and carefree.

If an elevated instrument soul is physically with you and you have anything verified by him or her, you will be able to do so because your intellect has faith. You will do it while keeping the virtues of both fearlessness and faith in front of you. When you constantly have faith and fearlessness with you, there will be constant victory in your elevated thoughts. Whatever thoughts you have, and the Incorporeal and the corporeal are with you or in front of you, have them verified with faith and fearlessness, and time will not then be wasted.